चूरू में मुख्यमंत्री भजनलाल ने वीरांगनाओं और पूर्व सैनिकों का सम्मान किया

सप्त शक्ति कमान की रणबांकुरा डिवीजन द्वारा गौरव सेनानी समारोह का आयोजन हुआ

चूरू/जयपुर। चूरू जिला मुख्यालय पर सप्त शक्ति कमान की रणबांकुरा डिवीजन द्वारा रविवार को जिला स्टेडियम में गौरव सेनानी समारोह का आयोजन किया गया। आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राष्ट्र सेवा में राजस्थान के वीरों की अग्रणी भूमिका रही है। यहां गांवों में कोई न कोई ऐसा परिवार है जिसने सेना की वर्दी पहनी है। उन्होंने कहा कि सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते, वे आजीवन राष्ट्र हित और समाजहित के लिए निरन्तर कार्य करते हैं। उनका त्याग और बलिदान से पूर्ण जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को चूरू के जिला खेल स्टेडियम में आयोजित गौरव सेनानी समारोह को संबोधित कर रहे थे।

गौरव सेनानी सम्मान समारोह में सीएम भजनलाल शर्मा ने पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि चूरू और शेखावाटी की धरती ने देश प्रेम के भाव को सदैव जीवंत रखा है। परमवीर चक्र विजेता पीरू सिंह, मेजर शैतान सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ जैसे वीर सपूतों ने राजस्थान का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चूरू के जिला खेल स्टेडियम का नाम 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अद्भुत साहस का प्रदर्शन करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के नाम पर रखे जाने की घोषणा भी की।

समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के वीरों ने हमेशा अग्रणी भूमिका निभायी है। सबसे लम्बी अंतर्राष्ट्रीय सीमा राजस्थान से लगती है। यहां का हर नागरिक सेना के प्रति समर्पण की भावना रखता है। परमवीर चक्र विजेता पीरू सिंह, मेजर शैतान सिंह व सगतसिंह का नाम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। देश की आजादी से पहले ही चूरू के धर्मस्तूप पर यहां के वीरों ने तिरंगा फहराकर आजादी के आंदोलन में रोशन किया था। उन्होंने कहा कि अब नया भारत आत्मनिर्भर भारत बना है। उन्होंने महिला दिवस पर वीर नारियों व वीरांगनाओं को शुभकामनाएं दी।

आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने बताया कि समारोह में 7 हजार पूर्व सैनिक, वीर नारी व वीरांगनाओं ने भाग लिया। समारोह में पूर्व सैनिकों से प्राप्त 1700 समस्याओं का शत प्रतिशत समाधान किया गया। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों को देश का अतीत बताते हुए कहा कि देश की नींव इन्हीं के पसीने से रखी गई है। ऑपरेशन सिंदूर में भी इनका अमूल्य योगदान रहा है। देश की सेना में राजस्थान का 10 प्रतिशत सैनिकों का योगदान है। चूरू के 89 वीर सपूतों ने अपनी जान की आहुतियां दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों को विभिन्न सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए एकीकृत सैनिक कल्याण कॉम्पलेक्स का चरणबद्ध निर्माण कर रही है। प्रथम चरण में 36 करोड़ रुपये की लागत से जोधपुर, टोंक, शेरगढ़ और झुंझुनूं में इन कॉम्पलेक्स का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जोधपुर में मेजर शैतान सिंह कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र और झुंझुनूं में 'वॉर म्यूजियम' की स्थापना भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सैनिक और उनके परिवारों को सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। आरटीडीसी के होटलों और गेस्ट हाउसों में वीरांगनाओं को 50 प्रतिशत और सेवारत एवं पूर्व सैनिकों को 25 प्रतिशत की छूट देने के साथ ही, नवीन जिला सैनिक कल्याण कार्यालय भी खोले जा रहे हैं। विभिन्न विभागों में रेक्सको के माध्यम से नियोजित पूर्व सैनिकों के मानदेय में

- **अब जिला खेल स्टेडियम सगत सिंह स्टेडियम के नाम से जाना जायेगा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा**

पिछले 2 साल में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। वहीं, द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों को मिलने वाली पेंशन 10 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रतिमाह की गई है।

सप्तशक्ति कमान के सेना कमाण्डर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने कहा कि फौजी कभी अकेला नहीं रहता, इसी उद्देश्य को लेकर गौरव सैनानी समारोह आयोजित किया जा रहा है। यह समारोह आपसी जुड़ाव और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एक्स सर्विसमैन सैकण्ड लाइन ऑफ डिफेंस के रूप में कार्य करते हैं।

इस अवसर पर समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने वीर नारियों, वीरांगनाओं और भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान किया। सीएम शर्मा ने शिविरों का अवलोकन किया और पूर्व सैनिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। इस दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता, विधायक हरलाल सहारण, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि, संतोष मेघवाल, वासुदेव चावला सहित अनेक भाजपा नेता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

उदयपुर में तीन भालुओं ने किसान पर हमला किया, हालत गंभीर

तीन दिन में दूसरा हमला, खेत में रखवाली करने जा रहा था किसान

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के सायरा थाना क्षेत्र में जंगली भालुओं का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार की सुबह एक और किसान इन खूंखार जानवरों के हमले का शिकार हो गया। भालुओं ने किसान के सिर,चेहरे और पैरों को बुरी तरह से नोच डाला जिसके कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से ग्रामीणों में भय और दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब 8 बजे करदा क्षेत्र के नोतल की भागल गांव की है। किसान पेमाराम गमेती अपने खेत पर फसल की रखवाली करने जा रहे थे। इसी दौरान अचानक झाड़ियों से निकले तीन जंगली भालुओं के झुंड ने किसान पर हमला बोल दिया। भालुओं ने पेमाराम का शरीर बुरी तरह नोच डाला। घायल पेमाराम के चिल्लाने की आवाज सुनकर पास में

- **भालुओं ने किसान के सिर, चेहरे और पैरों को बुरी तरह से नोच डाला**
- **ग्रामीणों के एकत्र होकर चिल्लाने पर तीनों भालू जंगल की ओर भाग गए**

मौजूद भेरूलाल सुथार मौके पर पहुंचे और शोर मचाया। ग्रामीणों के एकत्र होकर चिल्लाने पर तीनों भालू जंगल की ओर भाग गए। घायल पेमाराम को तुरंत गोगुंदा अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते उदयपुर एमबी हॉस्पिटल रेफर किया। तीन दिनों में यह दूसरा हमला है। इससे पहले शुक्रवार की रात रोयडा गांव में भी एक व्यक्ति पर भालुओं ने हमला कर दिया था। सूचना पर सायरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। साथ ही वन विभाग के अधिकारी भरत मेघवाल भी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का मौका मुआयना किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों का फिलहाल जंगल या खेत पर अकेले नहीं जाने की सलाह दी है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात रोयडा गांव में भी भालुओं के झुंड ने प्रेम सिंह राजपूत पर हमला कर दिया था। ग्रामीणों का कहना है कि यह क्षेत्र कुंभलगढ़ अभयारण्य से सटा हुआ है जिसके चलते जंगली भालू अक्सर जंगल से निकलकर आबादी क्षेत्र में आ जाते हैं। लगातार हो रहे हमलों से इलाके के लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जल्द प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

अज्ञात जंगली जानवर ने हमला कर 160 मवेशियों को मारा

गंगापुर सिटी, (निसं)। सहजपुर गांव में शनिवार रात एक अज्ञात जंगली जानवर के हमले में लगभग 160 भेड़ों (मवेशी) की मौत हो गई। यह घटना खूंटला सलोना ग्राम पंचायत क्षेत्र में हुई, जिससे पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

पशुपालक बनवारी बैंसला और भीम सिंह गुर्जर के बाड़े में घुसकर जंगली जानवर ने इन भेड़ों को निशाना बनाया। ग्रामीणों के अनुसार, पशुपालन ही इन परिवारों की आजीविका का मुख्य स्रोत है और इस घटना से उन्हें गंभीर आर्थिक क्षति हुई है। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और प्रशासन से शीघ्र उचित सहायता राशि उपलब्ध कराने की मांग की। गुर्जर ने कलेक्टर से फोन पर बात कर मामले में त्वरित कार्रवाई का आग्रह भी किया। मानसिंह गुर्जर ने वन विभाग से भी इस घटना की गहन जांच करने और क्षेत्र में जंगली जानवरों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने की अपील की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने भी प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल राहत प्रदान करने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की। उनका कहना था कि पशुधन किसानों की आजीविका का एक महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए ऐसे मामलों में त्वरित सहायता और ठोस कदम उठाना आवश्यक है।

टोंक में दो पक्षों की कहासुनी के बाद पुलिस ने ड्रोन सर्वे किया

टोंक, (निसं)। पुरानी टोक क्षेत्र में हुई दो पक्षों की कहासुनी के बाद शहर में रविवार को पुलिस एक्शन मोड में नजर आई। पुलिस ने घटना के बाद ड्रोन सर्वे किया, जिसमें ऐसे घरों को चिन्हित किया

- **सर्वे में ऐसे घरों को चिन्हित किया, जहां पत्थर रखे गए थे**

गया, जहां पत्थर रखे गए थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने सभी 20 मकान मालिकों को नोटिस देकर तीन दिन में छतों से पत्थर हटाने के निर्देश दिए, साथ ही ऐसा नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी।

जानकारी के अनुसार गत छह मार्च की देर रात देशवाली मोहल्ले में कहासुनी के बाद दो पक्षों में झगड़ा हुआ था। इस दौरान एक पक्ष के लोगों ने वाल्मीकि बस्ती पर पथराव किया था। वहीं दूसरे पक्ष का आरोप है कि पथराव उनकी ओर से हुआ था। हालांकि इसमें किसी को गंभीर चोट नहीं आई थी, लेकिन माहौल तनावपूर्ण हो गया था। पुलिस ने मामले में 15 लोगों से पूछताछ की है।

पुरानी टोंक थाना प्रभारी नेमीचंद ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां कुछ लोगों ने पुलिस पर भी पथराव किया था। फिलहाल मामले में आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थाना

पुरानी टोक क्षेत्र में पुलिस ने घटना के बाद ड्रोन सर्वे किया।

प्रभारी के अनुसार रविवार को दो घंटे देशवाली मोहल्ला, वाल्मिकी मोहल्ला, निवाई दरवाजा समेत आसपास के मकानों पर ड्रोन उड़ाकर सर्वे किया गया। ड्रोन के फुटेज देखे तो उसमें 20 मकानों पर पत्थर, ईंटों के टुकड़े दिखाई दिए हैं। इसे पुलिस सभी बीस मकान मालिकों को चिन्हित कर तीन दिन में ये आपत्तिजनक सामग्री खाली करने के नोटिस दिए हैं। क्षेत्र में पुलिस जाब्ता तैनात है और निगरानी रखी जा रही है।

लूट की वारदात का खुलासा

बांसवाड़ा, (निसं)। पुलिस थाना आंबापुरा ने क्षेत्र में राह चलती महिला से सोने का टिक्का झपटने की वारदात का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर सोने का टिक्का बरामद किया। वहीं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की।

थानाधिकारी निर्भय सिंह राणावत ने बताया कि 16 फरवरी को प्रार्थिया शीला पत्नी पिन्टू उर्फ प्रेमशंकर डिंडोर ने रिपोर्ट दी थी। जिस पर प्रकरण दर्ज कर एएसआई पारचंद ने अनुसंधान प्रारंभ किया। थानाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गयी। इस टीम ने संतोष पुत्र प्रभु दामा निवासी खड़देव केसरपुरा थाना आंबापुरा संदिग्ध होना पाया गया। थानाधिकारी राणावत ने बताया कि आरोपी संतोष घटना के बाद से घर से फरार चल रहा था। जिसके होली के त्यौहार पर उसके ससुराल गांव गदेड़ापाड़ा, पाड़ला थाना भूंगड़ा आने की जानकारी मिली थी।

एमडीएमए सहित एक गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान के दौरान मकान पर दबिश देकर अवैध एमडीएमए बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज के निर्देश पर जिला पुलिस अधीक्षक के आदेश पर अम्बामाता थानाधिकारी मय टीम ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर "ऑपरेशन त्रिनेत्र" अभियान के तहत मकान पर दबिश देकर 489 ग्राम अवैध एमडीएमए जब्त कर फरहान पुत्र अयाज मोहम्मद अंसारी निवासी गांधीनगर को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। फरहान ने उक्त मादक पदार्थ प्रतापगढ़ जिले के अखेपुर निवासी फजल खान से खरीदना व शहर में अलग-अलग स्थानों पर बेचना स्वीकार किया है।

करंट से व्यक्ति की मौत

छबड़ा, (निसं)। कंकरवा गांव में कृषि कार्य के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। वही मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी अनुसार पप्पू गाडरी (47) निवासी कंकरवा शनिवार रात को अपने खेत पर कृषि कार्य कर रहा था। तभी वह अचानक अचेत हो गया। परिजन उसे तत्काल छबड़ा चिकित्सालय लाए। यहां डॉक्टरों ने जांच उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया।

नागौर में लोडिंग टेम्पो पलटा, शादी समारोह में जा रहे 15 लोग घायल

आवारा पशु को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा, प्राथमिक उपचार के बाद दो जनों को गंभीर हालत में रेफर किया

नागौर, (निसं)। नागौर जिले के बापोड़-बासनी रोड पर रविवार सुबह लोडिंग टेम्पू टैक्सी पलटने से 15 लोग घायल हो गए। सभी लोग शादी समारोह में शामिल होने के लिए बापोड़ से नागौर आ रहे थे। बासनी पुलिया से पहले अचानक सामने आए आवारा पशु को बचाने के प्रयास में टेंपो टैक्सी बेकाबू होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को तुरंत

- **घायलों में 5 महिलाएं और कुछ बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं**

अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों से हॉस्पिटल पहुंचाया गया। इनमें से 5 घायलों को बासनी अस्पताल ले जाया गया, जबकि 10 घायलों को नागौर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के पीएमओ डॉ. आर.के. अग्रवाल ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही हॉस्पिटल स्टाफ को अलर्ट मोड पर रखा गया था। घायलों को अस्पताल पहुंचते ही तुरंत इलाज शुरू कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार जवाहरलाल नेहरू अस्पताल लाए गए 10 घायलों में से 8 को प्राथमिक उपचार के बाद सामान्य वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। वहीं दो घायलों की हालत गंभीर होने

हादसे में हुये गंभीर घायलों का अस्पताल में चिकित्सकों ने उपचार किया।

के कारण उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। घायलों में 5 महिलाएं और कुछ बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार हादसे में घायल सभी लोग आपस में रिश्तेदार हैं। वे बापोड़ से नागौर स्थित सेवा भारती संस्थान में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। बासनी पुलिया से कुछ दूरी पहले अचानक सड़क पर आए आवारा पशु को बचाने के प्रयास में वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। इसके बाद पलटे हुए टेम्पो टैक्सी को सड़क से हटवाया गया ताकि यातायात सुचारु रूप से चल सके।

भीलवाड़ा में दो जगह अवैध अफीम की खेती पकड़ी, एक गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह द्वारा जिले में मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत करेडा थाना पुलिस ने अवैध अफीम की खेती पकड़ी है। पुलिस ने ग्राम केमरी में एक खेत पर दबिश देकर 294 अफीम के पौधे और तैयार अफीम बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। ज़ब्त मादक पदार्थ की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1 लाख 33 हजार रुपये बताई जा रही है।

थानाधिकारी पुरणमल ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु गठित विशेष टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम केमरी में अवैध रूप से अफीम की खेती की जा रही है। इस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहाडा बुद्धराज व वृत्ताधिकारी आसीन्द ओमप्रकाश के सुपरविजन में टीम ने खेत पर अचानक दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 294 अफीम के पौधे बरामद किए, जिनका कुल वजन 16 किलो 300 ग्राम पाया गया। इसके साथ ही आरोपी के कब्जे से 103 ग्राम तैयार अफीम भी ज़ब्त की गई। पुलिस ने आरोपी श्याम लाल (40) पिता हेमाराम भील निवासी केमरी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ

गंगापुर थाना के गांव डेलाना में अवैध अफीम की खेती पकड़ी।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से अफीम की सप्लाई और अन्य नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है।

ग्राम डेलाना में गेहूं की फसल के बीच उगाई जा रही अवैध अफीम की खेती पकड़ी : वहीं भीलवाड़ा जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गांव डेलाना में दबिश देकर गेहूं की फसल के बीच उगाई जा रही अवैध अफीम की खेती पकड़ी है।

सीओ सदर आईपीएस माधव उपाध्याय के नेतृत्व में गठित विशेष टीम को पुख्ता जानकारी मिली थी कि डेलाना गांव में एक किसान ने अपने खेत में चालाकी से गेहूं की आड़ में

- **करेडा थाना पुलिस ने खेत पर दबिश देकर 294 अफीम के पौधे और तैयार अफीम बरामद की**
- **ग्राम डेलाना में भी गेहूं की फसल के बीच उगाई जा रही अवैध अफीम की खेती पकड़ी**

अफीम बो रखी है। सूचना मिलते ही विशेष टीम और गंगापुर पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और चिन्हित खेत पर छापेमारी की। जब पुलिस टीम खेत के बीच पहुंची, तो वहां का नजारा देखकर दंग रह गई। गेहूं की ऊंची फसल के बीचों-बीच एक लंबी क्यारी में अफीम के सैंकड़ों पौधे लहलहा रहे थे। आरोपी ने पुलिस की नजरों से बचने के लिए अफीम को चारों तरफ से गेहूं की फसल से ढक रखा था।पुलिस ने सभी अवैध पौधों को उखाड़कर जब्त कर लिया है और उनका वजन व गिनती की जा रही है। एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर खेत मालिक की भूमिका की जांच की जा रही है।

बाड़े से चार लाख के 31 मवेशी चोरी

पाटन, (निसं)। क्षेत्र की नई बस्ती मोहनपुरा में शनिवार रात चोरों ने एक बकरी पालक के बाड़े को निशाना बनाते हुए 31 बकरियां (मवेशी) चोरी कर ली। घटना का पता रविवार सुबह चला, जब बकरी पालक बाड़े पर पहुंचा और उसे खाली पाया। चोरी हुई बकरियों की कीमत करीब चार लाख रुपए आंकी गई है। घटना से पीड़ित परिवार की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है।

जानकारी के अनुसार नई बस्ती मोहनपुरा निवासी संदीप यादव पुत्र कानाराम पशुपालन का व्यवसाय करता है। उसने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि रविवार सुबह करीब छह बजे जब वह अपने बाड़े पर पहुंचा तो वहां से 14 बड़े बकरे, 8 बकरियां और 9 छोटे बच्चे गायब मिले। बाड़े का दरवाजा खुला मिला और अंदर एक भी बकरी नहीं मिली । सूचना मिलने पर पाटन पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस को बाड़े के पास वाहन के टायरों के निशान भी मिले हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि चोर वाहन में बकरियों को भरकर ले गए । पुलिस गांव के मुख्य रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

कोटा स्टेशन पर लाखों के आभूषण, नकदी व सामान सहित एक गिरफ्तार

ऑपरेशन "यात्री सुरक्षा" के तहत रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने कार्रवाई की

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑपरेशन "यात्री सुरक्षा" के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने कोटा स्टेशन पर एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से सोने-चांदी के आभूषण तथा नकदी सहित 14 लाख 43 हजार 550 रुपये मूल्य का सामान बरामद किया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि कोटा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1-ए पर रेलवे सुरक्षा बल की टीम को एक संदिग्ध व्यक्ति पिट्ठू बैग के साथ दिखाई दिया। संदेह के आधार पर उससे पूछताछ की गई, जिसमें उसके बैग से एक संदिग्ध महिला पर्स बरामद हुआ। इसी दौरान रेलवे सुरक्षा बल चौकी पर लगे सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन करते हुए यह सूचना राजकीय रेलवे पुलिस, कोटा के साथ साझा की गई। राजकीय रेलवे पुलिस, कोटा द्वारा बताया गया कि एक महिला पर्स चोरी के मामले में अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान संदिग्ध व्यक्ति उक्त चोरी की घटना में शामिल पाया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कुलदीप सिंह (27), निवासी कोटा के रूप में हुई है। आरोपी के पास से लगभग 14,02,000 रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण तथा 41,550 रुपये नकद सहित कुल 14 लाख 43 हजार 550 रुपये की बरामदगी की गई। इस संबंध में राजकीय रेलवे पुलिस, कोटा ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपी के विरुद्ध विभिन्न थानों में छीनाझपटी, चोरी तथा शस्त्र अधिनियम से संबंधित कई प्रकरण दर्ज हैं। इस कार्रवाई में रेलवे सुरक्षा बल, कोटा की टीम के निरीक्षक सुमित रघुवंशी, सहायक उपनिरीक्षक अंबेश कुमार गौतम, आरक्षक अवधेश शर्मा तथा आरक्षक मुकेश कुमार मीणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा के दौरान अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत रेलवे सुरक्षा बल अथवा संबंधित अधिकारियों को दें।

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत : टोंक-सवाई माधोपुर नेशनल हाइवे-552 पर शनिवार को 60 साल की महिला का शव लहूलुहान हालत में मिला। जानकारी के अनुसार महिला शौच जाने के लिए घर से निकली थी। इस दौरान तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। घटना के बाद महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा घास गांव के पास स्थित हॉस्पिटल के सामने बताया जा रहा है। टोंक सदर थानाधिकारी जयमल सिंह ने बताया कि सूचना पर पंहुची थाना टीम को मृत महिला रोड किनारे लहूलुहान हालत में पड़ी मिली, जिसे एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन चालक की तलाश कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक महिला धापू देवी निवासी घांस जो शौच के लिए घर से निकली तो सड़क किनारे चलने के दौरान वे तेज गति से दौड़ रहे अज्ञात वाहन की चपेट में आ गई। धापू देवी के चार बेटे हैं, बड़ा बेटा लकवाग्रस्त है।